ISSN : 2583-2948

मैं पुस्तक हूं

मनिन्दर कौर
औरंगाबाद
9326183934

मैं पुस्तक हूं

निभाती हूं साथ हर पल,

डिजिटल हो गई हूँ मैं|

अब मैं गूगल पर उपलब्ध हूँ|

मैंने जात धरम के सभी भेद मिटा दिए|

उपलब्ध हूं फोन पर भी|

मुझमें समाया श्री गुरु ग्रंथ साहिब|

महाभरत गीता का ज्ञान|

रामायण बाइबल कुरान संविधान|

चाहत है जिसमें उनके लिए,

मैं बोलती किताब भी हूं|

मैं ज्ञान का भंडार हूँ,

नेत्रहीन अशिक्षित का भी

ज्ञान मैं बढ़ाती हूँ|

जिसने मुझे अपने ऐप में सहेजा है,

उसे मैं धनवान भी बनती हूं|

पहिले मैं ग्रंथालयों की शान थी,

ज्ञान का भंडार मैं,

असंख्य चुनौतियों से घिरी इस सदी में,

मैंने भी रूप बदल लिआ,

वक्त के साथ चलती हूं,

डिजिटल मैं भी हो गई हूं|

ISSN : 2583-2948

दुर्लभ ज्ञान का भंडार मैं,

गूगल पर उपलब्ध हो गई हूं|

अब मैं ना तो पुरानी होकर,

रद्दी में बेची जाऊँगी|

ना दीमक मुझे खाएगा,

ना मैं किसी की जागीर कहलाऊँगी,

क्योंकि मनिन्दर अब मैं गूगल बुक हूं,

मैं सभी चाहने वालों के लिए उपलब्ध हूँ|